

Exam. Code: 1103
Sub. Code: 8074

2021

B. Ed. (General)-3rd Semester
F-4.4: Understanding The Self
(In all mediums)

Time allowed: 3 Hours

Max. Marks: 40

NOTE: Attempt five questions in all, including Question No. IX (Unit-V) which is compulsory and selecting one question each from Unit I-IV.

..*

UNIT - I

- I. What is self-esteem? Describe techniques for development of self-esteem. (8)
- II. Describe the concept and importance of 'self-realization'. (8)

UNIT - II

- III. Describe how family, religion and language affect self-identity. (8)
- IV. "Positive thinking has a significant role to play in self development." Comment on this statement. (8)

UNIT - III

- V. Explain how media, technology and globalization influence identity formation. (8)
- VI. Discuss the role of school in developing a national, secular and humanistic identity. (8)

UNIT - IV

- VII. Describe how Yoga and meditation can facilitate self-regulation? (8)
- VIII. Discuss with examples the concept of 'Empathic Listening'. (8)

UNIT-V

- IX. Answer briefly: -
 - (a) What are determinants of self?
 - (b) How can an individual contribute to the development of society?
 - (c) What is the role of education for peaceful living?
 - (d) Explain methods of resolving interpersonal conflicts. (2+2+2+2)

..*

(Hindi/Punjabi versions enclosed)

P.T.O.

(2)

नोट: किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दे। प्रत्येक भाग (1-4) से एक-एक प्रश्न का उत्तर दे। प्रश्न-9 (भाग-5) अनिवार्य है।

* * *

भाग-1

- आप—ममाम क्या हैं? आत्मममान विकास के लिए तकनीकों का व्यापक करें।
- 'आत्मधोष' की अवधारणा और महत्व कर सकते हों।

भाग-2

- एविच, धर्म और धारा, आप—प्रह्लाद को कैसे प्रभावित करते हैं। व्याख्या कीजिए।
- आत्म विकास ने 'सकलात्मक सौन' को महत्वपूर्ण भूमिका है। इस कथन पर टिप्पणी करें।

भाग-3

- प्रह्लाद को मीडिया, डीयोगिकों और ईश्वीकरण कैसे प्रभावित करते हैं। व्याख्या कीजिए।
- गद्दीप, हर्मनिरपेक्षता और मानवतावादी इहान विकसित करने में कैसे योगदान करते हों।

भाग-4

- आप—नियमन में योग और ध्यान कैसे सहायी हो सकते हैं? व्याख्या कीजिए।
- 'सहानुभूति पूर्वक श्रवण' की अवधारणा की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

भाग-5

- निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें—
 - स्व के नियारिक क्या है?
 - कोई व्यक्ति समाज के विकास में कैसे योगदान दे सकता है?
 - जीतिपूर्ण जीवन योग्य की क्या भूमिका है?
 - पारस्परिक संबंधों को हल करने के तरीके बताइए।

(3)

नोट: प्रश्न नंबर 9 (भाग-5) साजानी है अतः भाग (1-4) से एक-एक प्रश्न का उत्तर दे। प्रश्न-9 (भाग-5) अनिवार्य है।

* * *

भाग-1

- तदे-माह वी हैं सदे-मह दे विकास क्षमी उत्कर्तीव दे इच्छान बढ़े
- सदे-सेप दी पारदा अते महितउ दी विभाविभा बढ़े

भाग-2

- परिवर्त, परम अते भास सदे-प्रकाश नु जिदे प्रकारत बढ़ते रहे विभाविभा बढ़े
- "तदे-दिकास हिच मवारात्मन मेच दी महितप्रकाश द्विनिक है।" इस विभन्न ते दिनप्रकाश लिखे।

भाग-3

- प्रकाश दे गठन नु भोद्धीआ, उबलालेनी अते दिसदीकरन जिदे प्रकारत बढ़ते हन। विभाविभा बढ़े
- हिच उस्टी, परम लिचप्रेष अते मानवादी प्रकाश दे विकास हिच सबूत दी द्विनिक बढ़े विद्यार बढ़े

भाग-4

- आत्मनियमन द्विच येता अते विभाव दिल्ले सहाई हुंदे हन। विभाविभा बढ़े
- 'नमर्त्त्वसृष्टि' दी परदा दी उदाहरण नाल विभाविभा बढ़े

भाग-5

- ऐठा लिखे प्रसना दे सुठर लिखे—
 - सदे नियपालव की हुंदे हन?
 - वेली विभवडी समाज दे विकास दिल्ले जीवादान पर स्वर्ता है?
 - सत्तमटी नीबन बडीउ बरन क्षमी विभवधा दी की द्विनिक है?
 - भाष्मी विकास नु सुलझाउट दे उत्तीविभा बढ़े हंदे।

* * *